अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2018 (दिनांक : ७ जनवरी, २०१८) ।

- सबसे पहले तो मैं आपको आनेवाली मकरसंक्रांति की बहुत-बहुत बधाई देता हूँ । मकरसंक्रांति परिवर्तन का सूचक त्योहार है। सूर्य अपनी दिशा बदलते है और वे उत्तर मुखी होते है। सूर्य के अपनी दिशा बदलकर उत्तर मुखी होने के बहुत से परिणाम निकलते है। एक परिणाम तो यह निकलता है की सर्दी की ठिठुरन और सर्दी की वेदना से छूटकारा मिलने का आश्वासन मिलता है और ऐसे समय के आने की आहट सुनाई पड़ती है जिसमें उष्मा होगी, गर्मी होगी, स्फूर्ति होगी, उल्लास होगा। परिवर्तन केवल प्रकृति में ही नहीं होता। प्रकृति में होनेवाले परिवर्तन का असर हम लोगों के जीवन और मन पर भी पड़ता है और मन अधिक स्फूर्ति अनुभव करने लगता है। ऐसा यह महत्वपूर्ण मकरसंक्रांति का उत्सव है जिसे अत्यन्त उल्लासपूर्वक मनाने के लिए यहाँ पतंगोत्सव का आयोजन किया गया है।

- पतंग उड़ती है आकाश की ओर वह उर्ध्व गति का ऊपर की ओर उठने का प्रतीक है। मनुष्य के मन में महत्वाकांक्षाएं होती है, फिर महत्वकांक्षाएं ऊपर उठती है । यह महत्वकांक्षाएं मनुष्य को संघर्ष करने के लिये, स्पर्धा के लिये प्रेरित करती है और इसमे से ही सफलता की राह फूटती है। तो यह पतंग, एक प्रकार से मनुष्य के मन में ऊपर उठनेवाली महत्वाकांक्षाओं का प्रतीक है जो मनुष्य के जीवन को सफलता की ओर अग्रसर करती है। भारत प्रकृति का देश है। यहाँ पर प्रकृति के प्रतिकों की पूजा होती है। हम सूर्य की

पूजा करते है। हम चंद्रमा की पूजा करते है। ये देवता सूर्य और चन्द्र हमारे जीवन को काफी हद तक प्रभावित करते है। हम जानते है की शरद पूर्णिमा के दिन हम लोग चंद्रमा की पूजा करते है और मकरसंक्रांति के दिन हम लोग सूर्य की पूजा करते है। गुजरात एक सांस्कृतिक प्रदेश है। बिना उर्ध्व गति के उद्यम में सफलता नहीं प्राप्त की जाती और संस्कृति संपन्न प्रदेश होने के नाते उसकी अभिव्यक्ति में उत्सुकता होना स्वाभाविक है। गुजरात उत्सव प्रिय राज्य है और बाहर के लोग गुजरात को नवरात्रि उत्सव के रूप में, पतंगोत्सव के रूप में और कच्छ के रणोत्सव के रूप में जानते है। जिन्होंने गुजरात नहीं भी देखा, वे भी इन उत्सवों के रूप में गुजरात को पहचानते है।

- बंधुओं, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा यह हमको पतंगोत्सव में देखने को मिलती है। पतंगबाज, अपनी पतंग को ऊंचे से ऊंचा ले जाता है और दूसरे की पतंग को काटता है। जो पतंग काटता है, उसको भी मजा आता है। उन्हें आनंद का अनुभव होता है। जिसकी पतंग कटती है, उसको भी मजा आता है। यह स्पर्धा सकारात्मक है । यह स्पर्धा स्वस्थ है। किसी भी समाज की, किसी भी देश की प्रगति के लिये स्वस्थ प्रतिस्पर्धा आकर्षित होती है, अस्वस्थ प्रति स्पर्धा नहीं। इसलिए इस पतंगोत्सव से हम लोग स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की ऊर्जा लेकर जाएँगे, ऐसा मुझे पूरा विश्वास है।
- यहाँ दुनिया के विभिन्न देशो से आये हुये पतंगबाज़ हम लोगों के सामने से गुजरे थे। एक छोटा विश्व हमारे सामने से गुजरा हमें दिखाई पड़ा। इस पतंगोत्सव के माध्यम से गुजरात प्रदेश विश्व की एकता, संसार की एकता का प्रतीक संदेश देता है। मुझे बताया गया है कि

बड़ी संख्या में जो गुजराती भाई, गुजराती बहनें विदेशों में रहते है, इस मकरसंक्रांति के अवसर पर वे लोग गुजरात आते है। अपनी जमीन से जुड़े रहते है। विदेश में रहकर भी उत्सवों के माध्यम से अपनी जमीन से, अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश भी हम को इस उत्सव के माध्यम से मिलता है। यहाँ मंच पर विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों भी उपस्थित है। मैं उनके प्रति अपने मन का आदरभाव प्रकट करता हूँ और मैं अपनी बात यह कह कर समाप्त करता हूँ कि यह उत्सव हम को ऊपर उठने की ओर, आगे बढ़ने की ओर प्रगति की ओर आकाश को छूने की ओर आगे जाने की ओर प्रेरणा दे। एक बार पुन: आप सबको नये वर्ष की भी बधाई, मकरसंक्रांति की भी बधाई और मंच पर बैठे हुये अपने गुजरात प्रदेश के मुख्यमंत्री और उनके मंत्री मंडल के सदस्यों को भी बहुत-बहुत बधाई, धन्यवाद।